भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1240

09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा

1240. श्री मलूक नागर:
श्री मद्दीला गुरूमूर्ति:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और प्राकृतिक चिकित्सा करने वाले चिकित्सकों की संख्या का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का देश में प्राकृतिक चिकित्सा उपचार, शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कोई योजनाएं शुरू करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है;

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या सरकार का देश में प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल स्थापित करने का विचार है और यदि हां, तो उत्तर प्रदेश सहित तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): 01.01.2022 तक देश में होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और प्राकृतिक चिकित्सा पंजीकृत चिकित्सकों (डॉक्टरों) की संख्या, जैसा कि राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के बोर्डों/परिषदों द्वारा सूचित किया गया है, **संलग्नक-I** में दी गई है।

(ख) से (घ): वर्तमान में, देश में प्राकृतिक चिकित्सा उपचार, शिक्षा और अनुसंधान के संवर्धन के लिए योजना शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। हालाँकि, आयुष मंत्रालय अपने दो स्वायत्त निकायों, नामत: केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देता है। सीसीआरवाईएन योग और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान और विकास के लिए शीर्ष निकाय है। एनआईएन, पुणे प्राकृतिक चिकित्सा का एक प्रमुख संस्थान है, जो योग और प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करता है।

सीसीआरवाईएन और एनआईएन की गतिविधियां और कार्यक्रम क्रमशः वेबसाइटों यथा www.ccryn.gov.in और ninpune.ayush.gov.in पर उपलब्ध हैं।

सीसीआरवाईएन के तहत, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के दो केंद्रीय अनुसंधान संस्थान झज्जर, हरियाणा और नागमंगला, कर्नाटक में स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा, एनआईएन के तत्वावधान में, 250

बिस्तरों तक शिक्षण अस्पताल वाला एक 'निसर्ग ग्राम' नामक शैक्षिक संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में स्थापित किया गया है।

इसके अलावा, मंत्रालय द्वारा सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा सहित आयुष पद्धतियों के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने हेतु लोगों तक पहुंचना है। आईईसी योजना के तहत राष्ट्रीय आरोग्य मेला, राज्य आरोग्य मेला, आयुर्वेद पर्व, योग उत्सव, सम्मेलन, प्रदर्शनियां, शिविर और टीवी, रेडियो, प्रिंट-मीडिया इत्यादि पर कार्यक्रमों जैसी विभिन्न गतिविधियों का समर्थन किया जाता है।

इसके अलावा, मंत्रालय, देश में विभिन्न आयुष पद्धतियों (प्राकृतिक चिकित्सा सहित) के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से केंद्रीय प्रायोजित योजना, अर्थात् राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) को कार्यान्वित कर रहा है और उनसे प्राप्त राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के प्रस्तावों के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा, आयुष मंत्रालय की दो अन्य केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं, नामत: आयुर्ज्ञान और आयुर्स्वास्थ्य योजनाएं भी प्राकृतिक चिकित्सा सहित आयुष पद्धतियों के अनुसंधान और संवर्धन में शामिल हैं, जिनका विवरण आयुष मंत्रालय की वेबसाइट अर्थात www.ayush.gov पर उपलब्ध है।

(ङ): मौजूदा वर्ष के साथ-साथ विगत तीन वर्षों में एनआईएन, पुणे और सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली को आवंटित धनराशि नीचे तालिका में दी गई है:

(रुपए करोड़ में)

वर्ष	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**
एनआईएन, पूणे को आवंटित बजट	102.76	67.61	54.44	27.85
सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली को आवंटित बजट	48.30	57.44	42.62	59.36

(च): चूंकि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए प्राकृतिक चिकित्सा अस्पतालों की स्थापना संबंधित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के कार्यक्षेत्र में आती है।

*****

संलग्नक-I

01.01.2022 तक राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार होम्योपैथी, यूनानी, सिद्ध और प्राकृतिक चिकित्सा पंजीकृत चिकित्सक (डॉक्टर)

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्यक्षेत्र	होम्योपैथी	यूनानी	सिद्ध	प्राकृतिक चिकित्सा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1	आंध्र प्रदेश	2662	562	0	197
2	अरुणाचल प्रदेश	398	3	0	0
3	असम	1850	0	0	0
4	बिहार	34455	5423	0	0
5	छत्तीसगढ़	2326	210	0	120
6	दिल्ली	5490	1843	0	0
7	गोवा	821	0	0	0
8	गुजरात	28508	362	0	56
9	हरियाणा	1960	216	0	0
10	हिमाचल प्रदेश	1416	4	0	0
11	जम्मू-कश्मीर	496	1755	0	72
12	झारखंड	569	65	0	0
13	कर्नाटक	10713	1199	11	1059
14	केरल	13943	178	2456	342
15	मध्य प्रदेश	20938	1950	0	81
16	महाराष्ट्र	78057	7882	0	0
17	मणिपुर	0	0	0	0
18	मेघालय	493	0	0	0
19	मिजोरम	0	0	0	0
20	नागालैंड	177	0	0	0
21	ओडिशा	10046	28	0	0
22	पंजाब	4128	181	0	0
23	राजस्थान	9022	1200	0	149
24	सिक्किम	0	0	0	0
25	तमिलनाडु	7173	559	6697	1467
26	तेलंगाना	5500	5187	0	390
27	त्रिपुरा	715	0	0	0
28	उत्तर प्रदेश	36550	15730	0	0
29	उत्तराखंड	907	191	0	0
30	पश्चिम बंगाल	41368	5325	0	0
31	अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	0	0	0	0
32	चंडीगढ़	192	0	0	0
33	दादरा और नागर हवेली तथा दमन एवं दीव	0	0	0	0
34	लद्दाख	0	0	0	0
35	लक्षद्वीप	0	0	0	0
36	पुदुचेरी	0	0	0	0
	कुल	**320873**	**50053**	**9164**	**3933**

स्रोत: राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के बोर्ड/परिषदें